

भारतीय एजेंसियों को रिपोर्ट करेगा, सरकार से बातचीत के बाद रजामंदी

बच्चों से जुड़े यौन शोषण के सभी मामलों की जानकारी देगा मेटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेक कंपनी मेटा ने बच्चों के यौन शोषण और उनकी सुरक्षा से जुड़े दूसरे मामलों की जानकारी देने पर सहमत जताई है। यह जानकारी संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दी जाएगी। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह सहमत केंद्र सरकार और मेटा की ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर हानिकारक कंटेंट



पर रोक लगाने को लेकर जारी बातचीत में बनी है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत में काम करने वाले किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा जरूरी है। इस

दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से बातचीत जारी

सरकार दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ भी बातचीत कर रही है। इन प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन इंटरमीडियरीज से भी बच्चों से जुड़े हानिकारक कंटेंट की पहचान कर उसे हटाने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा जा रहा है। 19 सितंबर को मेटा के प्रतिनिधि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के कार्यालय पहुंचे थे। आयोग ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और मेटा के प्रमुख को चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेशन एंड एब्यूज मटेरियल से जुड़े कथित विज्ञापनों की जांच के सिलसिले में तलब किया था। मेटा ने 3 जुलाई 2026 को एक मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया था। रिपोर्ट में मेटा के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म पर कंपनी से जुड़े कथित विज्ञापनों का जिक्र था।

42,490 करोड़ के काम 2031 तक जारी रहेंगे

कैबिनेट की बैठक में फैसला, सिंचाई परियोजनाओं को भी हरी झंडी

भोपाल। भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने बताया कि कैबिनेट ने 42,490 करोड़ के कार्यों को वर्ष 2031 तक जारी रखने का निर्णय लिया है। इसमें 13,000 करोड़ से अधिक की सिंचाई परियोजनाएं शामिल हैं। बैठक में स्कूलों के उन्नयन के साथ उनके लिए पद स्वीकृत करने सहित अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। आदिवासी शिक्षकों को नियुक्ति दिनांक से नियमित वेतनमान जनजातीय कार्य विभाग के प्रस्ताव पर वर्ष 1973-74 से 1997-98 तक नियुक्त उप शिक्षक, उपशाला शिक्षक, प्रशिक्षण शिक्षक, कनिष्ठ बोर्ड से चयनित शिक्षक, ऑपरेशन

स्कूलों के पद स्वीकृत जनजातीय कार्य विभाग के प्रस्ताव पर वर्ष 2016-17 में माध्यमिक शालाओं के उन्नयन के तहत चार हाई स्कूलों के पदों की स्थिति तय करने को मंजूरी दी गई। दो सिंचाई परियोजनाओं को जारी रखने की मंजूरी जल संसाधन विभाग के प्रस्ताव पर चंदेरी माइक्रो सिंचाई परियोजना को लगातार जारी रखने और गोंड वृहद सिंचाई परियोजना को वर्ष 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी गई। ये परियोजनाएं 13,000 करोड़ से अधिक की हैं।



2,000 तक यूपीआई पेमेंट पर नहीं लगेगा चार्ज

● मोदी सरकार का आदेश, देश में 55 करोड़ यूजर हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीआई से 2,000 तक पेमेंट करने पर ग्राहक से किसी तरह की फीस नहीं ली जा सकती। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को नोटिफिकेशन जारी कर यह स्थिति साफ कर दी। अब 2,000 तक के यूपीआई पेमेंट पर बैंक या पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर कोई डायरेक्ट या इनडायरेक्ट चार्ज नहीं लगा सकेंगे। रुपये डेबिट कार्ड से होने वाले पेमेंट को भी इस छूट में शामिल किया गया है। दरअसल, अगस्त में संसद से टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2026 पास होने के बाद यूपीआई पेमेंट पर चार्ज को लेकर चर्चा शुरू हुई थी। आशंका थी कि 2,000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाया जा सकता है। इससे बड़े पेमेंट लेने वाले दुकानदारों और कारोबारियों की लागत बढ़ सकती थी।



अन्नदाताओं की आमदनी बढ़ाना ही सरकार का लक्ष्य

सीएम बोले-खेती में नवाचार की नई कहानी लिख रहे हैं दमोह जिले के किसान

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान एवं ज्वार-बाजरा के उपार्जन के लिए पंजीयन शुरू

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दमोह जिले ने बीते कुछ वर्षों में खेती-किसानी में एक अलग ही पहचान बना ली है। बुंदेलखंड की वीरभूमि, धर्म, संस्कृति और आस्था की धरती को नमन करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जहां से मोह न छूटे, वो अपना दमोह है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। अन्नदाताओं की आमदनी बढ़ाना हमारा प्रमुख लक्ष्य है। खेत से लेकर बाजार तक और खाद से लेकर किसानों के खातों तक हम पक्की और स्थायी व्यवस्थाएं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा अपने परिश्रम से उत्पादित अनाज का एक-एक दाना हमारे लिए भगवान के प्रसाद समान है। हमारे लिए अन्न का दाना-दाना अनमोल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को बताया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान और ज्वार-बाजरा के उपार्जन के लिए किसान



पंजीयन मंगलवार, 15 सितम्बर से प्रारंभ हो गया है। यह काम 10 अक्टूबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय से दमोह जिले में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री तथा दमोह जिले के प्रभारी मंत्री श्री इन्द्र सिंह परमार तथा अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई ने मंत्रालय में हुई वीसी से बलराम कृषि महोत्सव में सहभागिता की।

हमारी सरकार अन्नदाताओं के साथ - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दमोह जिले के किसानों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि हमारी सरकार अन्नदाताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। हर सुख-दुख में हम सब हमेशा किसानों के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से फसल विविधीकरण, नई तकनीक, नवाचार, उद्यानिकी अपनाने की अपील की।

एनडीए के 3 सहयोगी दलों ने यूसीसी का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए के 3 सहयोगी दल तेलुगु देशम पार्टी, शिंदे गुट की शिवसेना और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने समान नागरिक संहिता के समर्थन की बात कही है। वहीं, बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि वह राज्य में यूसीसी लागू नहीं होने देगा। दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने 13 सितंबर को कहा था कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी-एनडीए शासित 21 राज्यों में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा। फिलहाल देश में 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है। इनमें उत्तराखंड में जनवरी 2025 से यूसीसी लागू है। यानी बाकी 21 राज्यों में इसे लागू करने का लक्ष्य है। गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में बिल पास हो चुका है। अब इन राज्यों में राष्ट्रपति की मंजूरी और अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ ने यूसीसी का कानून तैयार करने के लिए समितियां गठित की हैं।

17 से 19 सितंबर : तीन दिन, तीन बड़े चेहरे... युवाओं पर नजर

इंदौर। 19 सितंबर को राहुल गांधी इंदौर में युवाओं से संवाद करेंगे। कांग्रेस के मुताबिक, उनके 'छात्रों की गुंज' कार्यक्रम के लिए डेढ़ लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। राहुल के कार्यक्रम से पहले भाजपा और आरएसएस के भी लगातार तीन दिनों तक प्रदेश में बड़े आयोजन हैं। ऐसे में 17 से 19 सितंबर के बीच होने वाले इन कार्यक्रमों ने प्रदेश की सियासत में युवाओं को लेकर मुकाबला तेज कर दिया है। 17 सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मध्यप्रदेश के अपने पहले दौर पर उज्जैन पहुंचेंगे। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू हो रहे भाजपा के राष्ट्रव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' के कार्यक्रमों में

शामिल होंगे। इसी दिन उज्जैन में शिप्रा किनारे दीपोत्सव का आयोजन प्रस्तावित है। 18 सितंबर को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत उज्जैन में 'युवा धर्म संसद' को संबोधित करेंगे। इसके अगले ही दिन 19 सितंबर को राहुल गांधी इंदौर में 'छात्रों की गुंज' कार्यक्रम के जरिए युवाओं से संवाद करेंगे। भाजपा का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा 'सेवा संकल्प अभियान' का हिस्सा है और इसका राहुल गांधी के कार्यक्रम से कोई सीधा संबंध नहीं है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी इसे पार्टी के निर्धारित कार्यक्रमों से जोड़ चुके हैं। हालांकि राजनीतिक हलकों में तीनों



17 सितंबर | उज्जैन

18 सितंबर | उज्जैन

19 सितंबर | इंदौर

आयोजनों की नजदीकी तारीखों को अलग नजरिए से देखा जा रहा है। युवाओं पर क्यों बढ़ा फोकस? - राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, युवाओं के बीच बढ़ती राजनीतिक सक्रियता ने सभी दलों का ध्यान इस वर्ग की ओर खींचा है। नई पीढ़ी लगातार मतदाता सूची में जुड़ रही है और युवाओं से जुड़े मुद्दे राजनीतिक विमर्श के केंद्र में

आ रहे हैं। ऐसे में भाजपा संगठनात्मक स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में है, वहीं कांग्रेस 'छात्रों की गुंज' जैसे कार्यक्रमों के जरिए युवाओं से सीधा संवाद बढ़ा रही है। मध्यप्रदेश में 2027 में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव तथा 2028 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। लिहाजा अगले दो चुनावों को देखते हुए युवाओं

के बीच अभी से राजनीतिक जमीन तैयार करने की कवायद शुरू होना स्वाभाविक माना जा रहा है। सिर्फ तीन कार्यक्रम नहीं, बड़ी तैयारी का संकेत - 17 से 19 सितंबर के बीच होने वाले कार्यक्रमों को केवल नेताओं के दौरे के तौर पर देखने के बजाय प्रदेश की आगामी चुनावी राजनीति के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। भाजपा जहां संगठन और सेवा अभियानों के जरिए अपनी पहुंच बढ़ा रही है, वहीं कांग्रेस युवाओं के मुद्दों और प्रत्यक्ष संवाद के जरिए अपना आधार मजबूत करने की कोशिश कर रही है। तीन दिन, तीन बड़े चेहरे 17 सितंबर 7 उज्जैन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का

मध्यप्रदेश का पहला दौरा और दीपोत्सव कार्यक्रम। 18 सितंबर 7 उज्जैन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 'युवा धर्म संसद' में युवाओं को संबोधित करेंगे। 19 सितंबर 7 इंदौर राहुल गांधी 'छात्रों की गुंज' कार्यक्रम में युवाओं से संवाद करेंगे। कांग्रेस के मुताबिक डेढ़ लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। तीन दिन के ये कार्यक्रम भले अलग-अलग मंचों पर हों, लेकिन संदेश एक है-मध्यप्रदेश की राजनीति में युवा अब किसी भी दल के लिए नजरअंदाज करने वाला वोट बैंक नहीं रहा।

राहुल के 'छात्रों की गुंज' से पहले भाजपा-आरएसएस के कार्यक्रम, 2028 की चुनावी जमीन तैयार करने की कवायद?

अवैध रेत उत्खनन पर जयसिंहनगर पुलिस की कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

साहिल खान

शहडोल। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जयसिंहनगर पुलिस ने 14 सितंबर 2026 को ग्राम टेटका-बिल्हाडंडी हार में अवैध रूप से रेत उत्खनन और परिवहन किए जाने की सूचना पर दबिश देकर एक आरोपी को पकड़ा तथा रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिलने के बाद जयसिंहनगर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां दो व्यक्ति नाले से रेत निकालकर ट्रैक्टर-ट्रॉली में लोड करते मिले। पुलिस को देखकर ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर भागने लगा।

पुलिस ने पीछा कर उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन कुछ दूरी पर चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर मौके से फरार हो गया। वहीं ट्रैक्टर में सवार अभिनव मिश्रा उर्फ सत्यम मिश्रा, पिता सूर्यप्रकाश मिश्रा,



उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम टेटका को पुलिस ने पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथी राहुल केवट, पिता

सुखलाल केवट, निवासी ग्राम टेटका के साथ मिलकर नाले से रेत का अवैध उत्खनन कर बिक्री के लिए ले जा रहा था। मौके पर रेत के उत्खनन एवं परिवहन से संबंधित

कोई वैध दस्तावेज या रॉयल्टी प्रस्तुत नहीं की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने बिना नंबर के पावर ट्रैक कंपनी के ट्रैक्टर और रेत से भरी ट्रॉली, जिसमें करीब 2 घन मीटर रेत थी, जब्त की। जब्त वाहन और रेत की कुल अनुमानित कीमत करीब 6 लाख 83 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपीगण के खिलाफ धारा 303(2), 317(5), 3(5) बीएनएस एवं धारा 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

आरोपी

अभिनव मिश्रा उर्फ सत्यम को धारा 35(3) बीएनएसएस के तहत नोटिस तामील किया गया है, जबकि फरार आरोपी राहुल केवट की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी जयसिंहनगर निरीक्षक अजय कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक राकेश बागरी, सहायक उपनिरीक्षक सुरेश कुमार, आरक्षक ऋषिकांत मिश्रा एवं महिला आरक्षक खुशबू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिलाबदर अवधि का उल्लंघन करने वाला बदमाश गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और सक्रिय बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देशों के तहत छत्रीपुरा थाना पुलिस ने जिलाबदर अवधि का उल्लंघन करने वाले आरोपी आकाश पिता मुकेश बिसोटिया (30) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी छत्रीबाग, इंदौर का निवासी है और उसके खिलाफ अपहरण, अवैध हथियार रखने तथा एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में 09



अपराध दर्ज हैं। जिलाबदर की अवधि में शहर में पाए जाने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 307/26, धारा 14 मध्यप्रदेश

राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर, डीसीपी जोन-4 नरेंद्र सिंह रावत, अतिरिक्त डीसीपी दिशेष अग्रवाल तथा एसीपी सराफा यश बिजौरिया के मार्गदर्शन में की गई।

कार्रवाई में थाना प्रभारी संजीव श्रीवास्तव, सउनि दीपेश गोराणा, प्रधान आरक्षक धर्मेन्द्र पाठक, आरक्षक अरुण चौहान, धर्मेन्द्र सोनगरा और भूपेंद्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इंदौर की ऐतिहासिक गणेश विसर्जन चल

समारोह परंपरा को बचाने के लिए आगे आए पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल

परंपरा को जीवंत रखने के लिए मिलों को दिया आर्थिक सहयोग, बढ़ाया कलाकारों का हौसला



इंदौर। वर्ष 1924 से चली आ रही इंदौर की प्रसिद्ध गणेश विसर्जन चल समारोह की परंपरा को बचाने के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल आगे आए हैं।

इस पारंपरिक और सांस्कृतिक धरोहर को कमजोर होने से बचाने के लिए उन्होंने अपनी ओर से सक्रिय योगदान देना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में आज हुकमचंद मिल, स्वदेशी

मिल, राजकुमार मिल, कल्याण मिल और मालवा मिल को 25-25 हजार रुपये की नकद राशि प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। समाजसेवी मदन परमालिया ने बताया परंपरा से जुड़ी तीन मिलों की झांकियों को भी आर्थिक सहयोग देकर इस चल समारोह में शामिल किया जा रहा है। इस मौके पर विजय राठौर और बंटी जी भी शामिल थे।

पॉक्सो एक्ट के मामले में आरोपी गिरफ्तार

शारीरिक शोषण और गर्भपात कराने के आरोप में जयसिंहनगर पुलिस की कार्रवाई

साहिल खान

शहडोल। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले में महिला एवं बाल अपराधों के मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना जयसिंहनगर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में आरोपी देवेंद्र पाण्डेय को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस के अनुसार, फरियादिया द्वारा थाना जयसिंहनगर में लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत के आधार पर ग्राम जमुनिहा, थाना जयसिंहनगर निवासी आरोपी देवेंद्र पाण्डेय के विरुद्ध संबंधित धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट तथा एससी-एसटी एक्ट की धाराओं



के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। मामले में आरोपी पर नाबालिग के साथ शारीरिक शोषण करने एवं गर्भपात कराने के आरोप लगाए गए हैं। प्रकरण की विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा संबंधित साक्ष्यों एवं तथ्यों का संकलन करते हुए आरोपी की तलाश की गई। पुलिस टीम ने आरोपी देवेंद्र पाण्डेय को 14 सितंबर 2026 को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद 15 सितंबर 2026 को आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी जयसिंहनगर निरीक्षक अजय कुमार के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक सुरेश कुमार, आरक्षक ऋषिकांत मिश्रा एवं महिला आरक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिंदगी से हार चुकी थी कलेक्टर की जनसुनवाई ने दे दी नई जिंदगी-द्वारिका की कहानी

सह संपादक - अनिल चौधरी

कुछ कहानियां सिर्फ खबर नहीं होतीं, वो भरोसे की मिसाल बन जाती हैं। ऐसी ही एक कहानी है द्वारिका प्रजापति की, जो अपने पति और दो मासूम बच्चों के साथ जिंदगी खत्म करने जा रही थी, लेकिन इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा की जनसुनवाई ने उसे जीने की नई वजह दे दी और आज वही द्वारिका अपने हाथों से टिफिन में खाना और मिठाई बनाकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची। आंखों में आंसू और चेहरे पर मुस्कान लिए बोली - "मेरा कोई नहीं है कलेक्टर साहब ही मेरे भैया हैं जब सब कुछ खत्म लगने लगा था द्वारिका के पति जेसीबी ऑपरेटर थे। परिवार हंसी-खुशी चल रहा था, लेकिन दर्द की दवाइयों ने सब बिगाड़ दिया। 5 साल पहले दोनों किडनियां फेल हो गईं, अब लीवर भी खराब है। हफ्ते में तीन बार डायलिसिस इलाज में घर-बार सब



बिक गया। रिश्तेदारों ने मुंह मोड़ लिया। दो छोटे बच्चों के साथ द्वारिका अकेली रह गई। काम मांगने जाती तो कोई देता नहीं। एक वक्त ऐसा आया जब

अस्पताल जाने तक के पैसे नहीं बचे। थक-हार कर पूरे परिवार ने आत्महत्या करने का फैसला कर लिया। एक आखिरी उम्मीद - कलेक्टर से मिलना

इसी बीच किसी ने बताया कि कलेक्टर जनसुनवाई करते हैं। द्वारिका एक आखिरी उम्मीद लेकर कलेक्टर शिवम वर्मा के पास पहुंची कलेक्टर शिवम

वर्मा ने बताया - प्रजापति जी काफी निराश और परेशान थीं। जब मामला संज्ञान में आया तो हमने तुरंत मदद की। उनके पति का इलाज कराया और मुख्यमंत्री जी के निर्देशन में उन्हें रोजगार से जोड़ा कलेक्टर की पहल पर द्वारिका को दुकान और ठेला शुरू करवाया गया आज खुद के पैरों पर खड़ी है द्वारिका आज द्वारिका रोज 1000 रुपये कमा रही है। पति का इलाज चल रहा है, बच्चे स्कूल जा रहे हैं द्वारिका कहती हैं इतनी तंगी थी कि लगा मर जाना ही ठीक है। सोचा आखिरी बार कलेक्टर साहब से मिल लेते हैं। उन्होंने मेरी सुनी, मेरी जिंदगी बचा ली। आज जो मौत के मुंह से निकाल कर जीना सिखाए, वो भाई से बढ़कर ही तो है इंदौर कलेक्टर की जनसुनवाई आज सिर्फ फरियाद सुनने का मंच नहीं, बल्कि किसी की टूटी जिंदगी को फिर से जोड़ने का आशीर्वाद बन गई है।

खार कलां के वार्ड 04 में CC रोड निर्माण पर उठे सवाल, अधूरी सड़क और पूरी राशि के भुगतान का दावा

पूनीत सेन

खंडवा। जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम खार कलां के वार्ड नंबर 04 में जमनालाल के घर से दिलीप के घर तक प्रस्तावित CC रोड के निर्माण को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार मौके पर सड़क का निर्माण जितना दिखाई दे रहा है, उसके मुकाबले निर्माण कार्य अधूरा नजर आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि सरकारी रिकॉर्ड में इस सड़क की कुल स्वीकृत लंबाई कितनी दर्शाई गई है। वहीं आरोप है कि सड़क निर्माण के लिए स्वीकृत राशि का पूरा भुगतान निकाला जा चुका है, जबकि मौके पर सड़क का निर्माण अधूरा दिखाई दे रहा है।

जमीन की कहानी अलग,
कागजों की कहानी अलग?

मौके की तस्वीरें देखकर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि सड़क का काम पूरा दिखाया गया है, तो जमीन पर निर्माण की स्थिति अलग क्यों नजर आ रही है? क्या माप पुस्तिका (MB) में सड़क का पूरा निर्माण दर्ज है? क्या भुगतान वास्तविक निर्माण के अनुसार हुआ है?

खार कलां के वार्ड 04 में CC रोड निर्माण पर उठे सवाल, अधूरी सड़क और रश्न का दावा
अधूरी सड़क और पूरी राशि के भुगतान का दावा



अब प्रशासन के सामने कई सवाल हैं

जमनालाल के घर से दिलीप के घर तक CC रोड की स्वीकृत लंबाई कितनी है? इस सड़क के लिए कितनी राशि स्वीकृत हुई? अब तक कितनी राशि का भुगतान निकाला गया? माप पुस्तिका में कितने मीटर सड़क का निर्माण दर्ज है? मौके पर वास्तव में कितनी लंबाई की CC रोड बनी है? क्या निर्माण कार्य पूरा होने से पहले पूरी राशि का भुगतान किया गया? यदि रिकॉर्ड और मौके की स्थिति में अंतर है तो जिम्मेदारी किसकी तय होगी?

अब जांच की मांग- ग्रामीणों का

कहना है कि संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर सड़क की लंबाई-चौड़ाई की वास्तविक नाप, माप पुस्तिका, स्वीकृति आदेश, लेआउट और भुगतान रिकॉर्ड से मिलान करें।

इससे साफ हो सकेगा कि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज निर्माण और जमीन पर बने निर्माण में कोई अंतर है या नहीं। अब देखना यह है कि प्रशासन इस CC रोड की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाता है या फिर अधूरी दिखाई दे रही सड़क इसी तरह पड़ी रहती है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि मामले में निष्पक्ष जांच होगी और यदि रिकॉर्ड एवं मौके की स्थिति में अंतर पाया जाता है तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी।

हरतालिका तीज पर आस्था और भक्ति का रंग, महिलाओं ने रखा व्रत



सुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। हरतालिका तीज के पावन पर्व पर शहर में आस्था और भक्ति का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही रही। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की।

हरतालिका तीज के अवसर पर महिलाओं ने व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा की। कई स्थानों पर महिलाओं ने समूह में एकत्रित होकर तीज माता की कथा सुनी और भजन-कीर्तन किए। मंदिरों में विशेष श्रृंगार और पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस

दौरान महिलाओं में पारंपरिक परिधानों और श्रृंगार को लेकर भी खास उत्साह नजर आया। हाथों में मेहंदी, पारंपरिक आभूषण और रंग-बिरंगे परिधानों में महिलाएं तीज उत्सव में शामिल हुईं। शाम के समय कई स्थानों पर भजन संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हरतालिका तीज को लेकर बाजारों में भी विशेष रौनक रही। पूजा सामग्री, मेहंदी, श्रृंगार सामग्री और फल-फूल की दुकानों पर दिनभर खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ दिखाई दी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हरतालिका तीज भगवान शिव और माता पार्वती के प्रति श्रद्धा एवं समर्पण का पर्व है। यह पर्व भारतीय संस्कृति, परंपरा और पारिवारिक मंगलकामनाओं से जुड़ा हुआ है।

डिप्रेशन तथा तनाव, जैसी मानसिक व्याधियों में अत्यंत कारगर है सहजयोग

इस घोर कलियुग में मानसिक समस्या एक बहुत बड़ी त्रासदी है। मानसिक रोग यानि सिर्फ पागलपन नहीं पर डिप्रेशन भी है। अपने मन को स्वयं के काबू में नहीं रख पाने से ही ऐसी समस्याएं आती है। इस प्रतियोगिता वाले युग में स्वयं को औरों से कम पाने पर इंसान अंदर ही अंदर घुटने लगता है और मानसिक व्यथा को झेलता है। सफल इंसान भी और ज्यादा पाने की ललक में स्वयं को इस प्रतियोगिता से दूर नहीं रख पाता है और मन की समस्या का सामना करने को विवश होता है। हम सभी ने अपने जीवन में कई गलतियां की होती है, जिसे हम भले ही सबसे छुपा लें पर अपने आप से नहीं छुपा सकते हैं। हमारी इन गलतियों को ईश्वर सदैव क्षमा कर देते हैं पर हम और हमारा अंतर्मन स्वयं को निर्दोष मानने से रोक नहीं पाते हैं और कितना भी चाहे इस आंतरिक अपराध बोध से मुक्ति नहीं मिलती।

मानसिक व्याधियों का एक बड़ा कारण अपराध बोध का भार ही है। असंतुलन की स्थिति

में व्यक्ति और बड़ा अपराध कर बैठता है अथवा आत्महत्या जैसा पाप कर बैठता है, जैसे कि अंत में हिटलर ने किया था। अमेरिका के प्रसिद्ध मनोचिकित्सक ब्रायन बांस ने अपनी एक पुस्तक में लिखा है कि पुनर्जन्म सत्य है और जीव अपने पूर्वजन्मों के कर्मों के अनुरूप अगले जन्म में वैसी मनोस्थिति व व्यक्तित्व को प्राप्त करता है। अक्सर लोग मनोचिकित्सकों या आध्यात्मिक

गुरुओं के पास अपराध बोध से मुक्ति पाने के लिए जाते हैं, परंतु आज तक इस व्याधि का कोई कारगर इलाज संभव नहीं हुआ है। विशेषज्ञों के मतानुसार पश्चाताप और विवेक ऐसे उपाय हैं जिनके द्वारा इससे कुछ हद तक मुक्ति पाई जा सकती है। पश्चाताप यदि केवल दिखावे के लिए किया जाएगा तो उससे कोई लाभ नहीं होगा। साधारणतया लोग



यह सोचते हैं कि इसके लिए बस एक अच्छे गुरु की आवश्यकता होती है जो सर्वप्रथम अपराधी के विवेक को जाग्रत करता है और उसके बाद उसे पश्चाताप की सही विधि बताता है। इसीलिए आदिकाल में राक्षसों के भी गुरु होते थे जैसे कि शुक्राचार्य थे। परंतु सहज योग ध्यान प्रक्रिया में मानव को स्वयं का गुरु

बनाकर मानसिक व्यथा से मुक्त किया जाता है। श्री माताजी कहती हैं निर्दोष भाव से मुक्त हो अपने अंतर के ईश्वर से एकाकारिता ही आत्मोन्नति का मार्ग है। जब हमारी कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर। उर्ध्वगामी होती है और विशुद्धि चक्र को स्पर्श करती है तब हमारे अन्दर का दोषी भाव पूर्णरूपेण समाप्त होता है और हम स्वयं पूर्णतया

निर्दोष हो जाते हैं। यह भाव हमारे प्रगति मार्ग को प्रशस्त करता है। सहजयोग की प्रणेता परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने इसकी व्याख्या करते हुए 1जुलाई 1992 को दिए गए प्रवचन में कहा था, “मैं चाहती हूं कि आपके मन में अपने प्रति बहुत मधुर भावना रहे। आपने जो भी गलतियाँ की हैं, उन्हें भूल जाइए। इसे भूल जाओ क्योंकि यह सर्वव्यापी शक्ति क्षमा का सागर है, इसलिए आप ऐसी कोई गलती नहीं कर सकते जो करुणा के इस सागर में पूरी तरह से विलीन न हो सके।” श्री माताजी का यह कथन तभी संभव हो पायेगा जब सहज योग पद्धति से ध्यान कर भूतकाल के दुष्प्रभाव से छुटकारा पायें। चलिए हम सभी इस करुणा के सागर में विलीन हो स्वयं को अंदर से शक्तिशाली बनाते हैं, जुड़ते हैं सहज योग से। नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in प्राप्त कर सकते हैं। सहजयोग पूर्णतया निशुल्क है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की रविवार एवं गणेश चतुर्थी पर दो दिवसीय सघन कार्रवाई

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर के प्रमुख होटलों एवं श्री खजराना गणेश मंदिर परिसर में निरीक्षण, लगभग 31 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए गए

इंदौर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशन में तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा आज शहर के विभिन्न प्रमुख होटलों एवं श्री खजराना गणेश मंदिर परिसर में संचालित प्रसाद विक्रय एवं निर्माण केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता, सुरक्षित भंडारण, खाद्य निर्माण प्रक्रिया एवं अन्य Food Safety Standards का परीक्षण किया गया तथा विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु लिए गए।

Infinity Hotel, Ring Road- Infinity Hotel, Ring Road के निरीक्षण के दौरान परिसर में साफ-सफाई एवं खाद्य सामग्री का Storage उचित पाया गया। निरीक्षण के दौरान पनीर, हल्दी पाउडर, धनिया (Coriander) पाउडर एवं मूंग मोगर के कुल 4 नमूने जांच हेतु लिए गए। निरीक्षण के दौरान 2 Refrigerators में Temperature Monitoring Device उपलब्ध नहीं पाया गया। Calibration से संबंधित Record भी प्रस्तुत नहीं किया गया। Food Handlers का Medical Fitness निर्धारित Format में उपलब्ध नहीं पाया गया। खाद्य सामग्री के भंडारण में FIFO (First In, First Out) व्यवस्था का प्रभावी पालन नहीं पाया गया। इसके अतिरिक्त Raw Material एवं Ready-to-Eat Food की Testing Reports भी मौके पर उपलब्ध नहीं पाई गई।

श्रीमाया होटल, AB Road- श्रीमाया होटल के निरीक्षण के दौरान Kitchen व्यवस्थित एवं साफ-सुथरा पाया गया। Food Storage एवं Monitoring व्यवस्था उचित पाई गई। Temperature Control System एवं उपकरणों का Calibration भी उचित पाया गया तथा Kitchen में उपयोग किए जा रहे बर्तन Rust-free पाए गए। हालांकि, मौके पर उपलब्ध Water Testing Report अपूर्ण पाई गई। उपलब्ध रिपोर्ट में Pesticide Residue एवं Heavy Metal की जांच शामिल नहीं थी। होटल प्रबंधन को निर्धारित मानकों के अनुसार Water Testing Report पूर्ण करवाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पनीर, Roasted Peanut, Pav Bhaji



Masala एवं Meat Masala के कुल 4 नमूने जांच हेतु लिए गए

श्री खजराना गणेश मंदिर परिसर- श्री खजराना गणेश मंदिर परिसर में संचालित प्रसाद के थोक एवं फुटकर विक्रेताओं के लगभग 8 से 10 काउंटरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान Food Licence को उचित एवं स्पष्ट स्थान पर Display करने के निर्देश दिए गए। प्रसाद में उपयोग किए जाने वाले Food Colour का निर्धारित मात्रा एवं अनुमत मानकों के अनुसार ही उपयोग करने के संबंध में भी विक्रेताओं को निर्देशित किया गया। प्रसाद निर्माण से जुड़े एकदंत प्रसाद भंडार, भालचंद्र प्रसाद भंडार, क्वालिटी स्वीट्स आदि प्रतिष्ठानों का भी निरीक्षण किया गया तथा प्रसाद निर्माण स्थल पर आवश्यक साफ-सफाई एवं Hygiene बनाए रखने के संबंध में विशेष निर्देश दिए गए। एकदंत प्रसाद भंडार में लड्डू प्रसाद का निर्माण अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जाना पाया गया। फर्श गंदे पाए गए, Food Licence Display नहीं पाया गया तथा Raw Material का Storage एवं रखरखाव भी व्यवस्थित नहीं पाया गया। भालचंद्र प्रसाद भंडार में प्रसाद निर्माण स्थल एवं लड्डू बनाने का स्थान साफ-सुथरा नहीं पाया गया। Raw Material का Storage एवं रखरखाव उचित नहीं था। फर्श चिपचिपे, तेलयुक्त एवं गंदे पाए गए। कर्मचारी लड्डू निर्माण क्षेत्र में चप्पल पहनकर आते-जाते पाए गए तथा कर्मचारियों के Medical Fitness Certificates भी प्रस्तुत नहीं किए गए। विभिन्न प्रसाद विक्रेताओं एवं निर्माण प्रतिष्ठानों से मोतीचूर के लड्डू, बेसन के लड्डू, मोदक आदि के लगभग 8 Samples जांच हेतु लिए गए हैं, जिन्हें State Food Testing Laboratory, Bhopal भेजा जा रहा है।

Fairfield by Marriott, Ring Road- Fairfield by Marriott के निरीक्षण के दौरान तुअर दाल, पनीर एवं Desiccated Coconut Powder के कुल 3 नमूने जांच हेतु लिए गए। निरीक्षण के दौरान Vegetarian एवं Non-Vegetarian खाद्य पदार्थों का Storage एक साथ पाया गया। लगभग सभी Dustbins खुले पाए गए तथा Wet एवं Dry Waste का Segregation उचित रूप से नहीं किया जा रहा था। Store Room में निरीक्षण के दौरान

Cockroaches पाए गए, जो खाद्य पदार्थों की सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर Hygiene संबंधी कमी है। Store Room में रखे Raw Food Materials के पैकेट पर आसानी से हटाए जा सकने वाले Detachable Labels पाए गए। Buffet में रखे कई Ready-to-Eat Food Items ढक्कर नहीं रखे गए थे, जिससे उनमें बाल, धूल अथवा अन्य माध्यमों से Cross-Contamination की संभावना पाई गई। इसके अतिरिक्त खाद्य पदार्थों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले पानी की Testing Report में Pesticide Residue एवं Heavy Metal की जांच शामिल नहीं थी।

रविवार 13 सितंबर की कार्रवाई- श्री गुरु कृपा रेस्टोरेंट, विजय नगर का निरीक्षण किया गया। परिसर में Food Testing Report, Water Testing Report एवं Food Handlers के Medical Fitness Certificates मौके पर उपलब्ध नहीं पाए गए। The Red Maple, होटल मशाल के निरीक्षण में साफ सफाई एवं खाद्य पदार्थों के स्टोरेज की स्थिति उचित पाई गई। इसके अतिरिक्त Food Licence उचित स्थान पर प्रदर्शित नहीं पाया गया। Medical Fitness एवं Water Testing Report उपलब्ध नहीं थी। कुछ खाद्य पदार्थों के पैकेट खुले एवं सीलनयुक्त पाए गए तथा दो Deep Freezers में Temperature Display उपलब्ध नहीं था। Frozen Food की उचित thawing के लिए निर्देश दिए गए। मौके से पनीर एवं विभिन्न sauces के कुल 5 नमूने जांच हेतु लिए गए।

Chef Bhupi's Kitchen, AB Road, Rau के निरीक्षण में Food Handlers के Medical Fitness Certificates एवं Water Testing Report उपलब्ध नहीं पाए गए। Raw Material Storage अव्यवस्थित था तथा कुछ कटे-फटे पैकेटों से खाद्य पदार्थ खराब होकर बाहर निकलते/लीक होते पाए गए। Storage shelves पर भी गंदगी पाई गई। मौके से पनीर, हल्दी पाउडर एवं धनिया पाउडर के कुल 3 नमूने जांच हेतु लिए गए। पंजाबी ढाबा, सिलिकॉन सिटी, चौधरी मार्केट के सामने, राऊ का निरीक्षण विक्रेता श्री मोहित राय की उपस्थिति में किया गया। किचन अव्यवस्थित एवं अस्वच्छ पाया गया तथा दीवारों पर गंदगी एवं तेल का रिसाव पाया गया। किचन में बिल्ली का आवागमन, फ्रिज में expired cold drinks तथा vegetarian एवं non-vegetarian खाद्य पदार्थों का एक साथ भंडारण पाया गया। मौके से पनीर एवं चना मसाला के नमूने जांच हेतु लिए गए। गुरुकृपा होटल सरकटे बस स्टैंड इंदौर का निरीक्षण किया गया और निरीक्षण करके वेज मंचूरियन और वेज लॉलीपॉप के नमूने लिए गए हैं और निरीक्षण दौरान के निम्नानुसार अनियमितता पाई गई जो इस प्रकार है वर्कर्स फिटनेस सर्टिफिकेट, पानी की टेस्ट रिपोर्ट वर्तमान की नहीं पाई गई और पर्याप्त साफ सफाई पाई गई

नमूनों की जांच एवं अग्रिम कार्रवाई- कल एवं आज की कार्रवाई के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं प्रसाद निर्माण केंद्रों से लगभग 31 नमूने जांच हेतु लिए गए हैं।

पीएम मोदी के 25 वर्ष पर इंदौर में सेवा संकल्प अभियान, भाजपा की जोरदार तैयारी

17 को राजवाड़ा पर जलेंगे

2.51 लाख दीप

इन्दौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर भाजपा इंदौर महानगर द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। इस दौरान सरकार की उपलब्धियों का जन जन तक पहुंचाने के साथ ही 17 सितंबर को राजवाड़ा के आसपास दीपोत्सव मनाया जाएगा। 2 लाख 51 हजार दीपों से क्षेत्र जगमगाएगा। सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा की जोरदार तैयारी जारी है। अभियान के सिलसिले में मीडिया को जानकारी देते हुए, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्ष सेवा, समर्पण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित हैं। यह केवल कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और जनभागीदारी का व्यापक अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने कार्यों से वैश्विक स्तर पर भारत का मान बढ़ाया है और



उनकी सेवा यात्रा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के अनुसार सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान के तहत 13 रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से शहर के 85 वार्डों के 35 मंडलों के 345 शक्ति केंद्रों के 2097 बूथों पर कार्यकर्ता लाभार्थियों तक पहुंचेंगे। अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को दीपोत्सव से होगी। शाम 7 बजे सभी 2097 बूथों पर लाभार्थी परिवारों के घर 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलित किया जाएगा। रात 8 बजे राजवाड़ा के आसपास 2 लाख 51 हजार दीप जलाए जाएंगे। अहिल्या प्रतिमा के चारों ओर विधानसभावार दीप सज्जा होगी। इस दिन शहर में 5 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित करने का लक्ष्य है। पत्रकार वार्ता में अभियान संयोजक जीतू जिराती, सह संयोजक सांसद शंकर लालवानी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी आलोक दुबे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जल संरक्षण पर लापरवाही; कोचिंग संस्थान पर जुर्माना ठोका

इन्दौर। जल संरक्षण में लापरवाही बरतने के मामले में नगर निगम ने एकशन लिया है। निगम ने सख्ती दिखाते हुए एक कोचिंग संस्थान पर कार्रवाई की है। निगमायुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर निगम की टीम शहर में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निरीक्षण कर रही है। इसी क्रम में वार्ड 74 के विष्णुपुरी कॉलोनी स्थित कर्मा कोचिंग संस्थान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संस्थान में लगा वॉटर



हार्वेस्टिंग सिस्टम बंद पाया गया। निगम टीम द्वारा संस्थान के जल संरक्षण नियमों के उल्लंघन पर खिलाफ मौके पर ही 20 हजार

रुपये की चालानी कार्रवाई गई। कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी विशाल, सीएसआई विनय मिश्रा, सोमेश विश्वकर्मा, झोन इंचार्ज रोहित और फीडबैक फाउंडेशन के प्रतिनिधि मौजूद रहे। निगम ने सभी नागरिकों और संस्थानों से अपील की है कि अपने भवनों में लगे वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को चालू और मंटेन रखें। नियमों का पालन न करने पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

नामकरण समिति की बैठक: नगर निगम बदलेगा 10 प्रमुख चौराहों और मार्गों के नाम

इंदौर। इंदौर में मेयर-इन-कार्डिसिल (एमआईसी) द्वारा गठित नामकरण समिति की बैठक प्रभारी महापौर राजेन्द्र राठौर की उपस्थिति में संपन्न हुई। इसमें शहर के 10 प्रमुख मार्गों, चौराहों, पुलों और उद्यानों के नामकरण व नाम परिवर्तन से जुड़े प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा कर उन्हें मंजूरी दी गई। बैठक में समिति सदस्य राजेश उदावत और राकेश जैन सहित विभागीय अधिकारी शामिल हुए। समिति ने फैसला लिया कि सार्वजनिक स्थलों का नामकरण इतिहास, शिक्षा और समाजसेवा में योगदान देने वाले महापुरुषों के नाम पर किया जाएगा, ताकि नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा मिल सके। समिति द्वारा स्वीकृत इन प्रस्तावों को अब अंतिम मंजूरी और क्रियान्वयन के लिए आगामी मेयर-इन-कार्डिसिल की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। एमआईसी की मुहर लगने के बाद ही नामकरण की आधिकारिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

फिर पांच लोगों से ठगी : तुकोगंज, सिमरोल देपालपुर और मानपुर में ऑनलाइन फ्रॉड

इंदौर। साइबर ठगों ने अलग-अलग तरीके से झांसा देकर शहर और देहात क्षेत्र में पांच लोगों को निशाना बनाया और करीब ढाई लाख से अधिक की ठगी को अंजाम दे दिया। अज्ञात आरोपियों ने क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने, सर्विस बंद करने की बातों से उलझाया या फिर मोबाइल फोन हैक कर बैंक खातों से रुपए उड़ा लिए। ये वारदात तुकोगंज, सिमरोल, देपालपुर और मानपुर थाना इलाकों में हुईं। संबंधित थाना पुलिस ने ऐसे 5 मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी - तुकोगंज थाना क्षेत्र में ऑनलाइन फ्रॉड फरियादी अर्जुन मालवीय पिता अंबाराम मालवीय (36) निवासी बड़वानी के साथ 2 सितंबर को 11 बजे बजे हुई। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मेरे मोबाइल फोन पर एक नंबर से अज्ञात आरोपी का कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को आरबीएल बैंक का अधिकारी बताया और क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने

के नाम पर व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजकर एप डाउनलोड कराया। इस एप पर फॉर्म भरते ही मेरे क्रेडिट कार्ड से 5 बार में कुल 47 हजार 909 रुपए कट गए। बाद में 6,500 रुपए वापस भी आए, लेकिन 41 हजार 408 रुपए की ठगी हो गई।

मोबाइल फोन हैक कर दिया दो वारदात - देपालपुर और मानपुर थाना इलाकों में बदमाशों ने मोबाइल फोन हैक कर दो वारदात को अंजाम दे दिया। थाना देपालपुर पुलिस ने बताया कि फरियादी के साथ वारदात 6 सितंबर को सुबह 5 से 1 बजे के बीच हुई। ठगों ने मोबाइल हैक कर बैंक खाते से 30,581 रुपए ट्रांसफर कर लिए। इसी तरह थाना मानपुर पुलिस ने बताया कि फरियादी विमल वर्मा (गिरनार कोल्ड स्टोरेज, ग्राम खेड़ी सिंहोद) का मोबाइल फोन 9 सितंबर की रात 3 से 4 बजे के बीच हैक कर अज्ञात आरोपियों ने 8 ट्रांजेक्शन कर लिए और कुल 79 हजार 255 रुपए की धोखाधड़ी कर दी।

खाते से 41 हजार रुपए उड़ाए -

तुकोगंज थाना इलाके में फरियादी शिव कुमार वर्मा (33) निवासी सोमनाथ की जूनी चाल के साथ 3 सितंबर को हुई। फरियादी ने बताया कि मेरे मोबाइल फोन पर एक नंबर से अज्ञात युवती कॉल आया। लड़की ने खुद को आईसीआईसी बैंक कर्मचारी प्रिया शर्मा बताया। उसने कार्ड सर्विस बंद करने के नाम पर ओटीपी ले लिया। इसके बाद मेरे क्रेडिट कार्ड से 41 हजार 44 रुपए चेक डिजिटल प्रालि को ट्रांसफर हो गए।

होटल कर्मियों से एक लाख से ज्यादा की ठगी - थाना सिमरोल पुलिस ने भी एक होटल कर्मचारी से एक लाख से ज्यादा की ऑनलाइन ठगी में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक वारदात चौखी ढाणी होटल नोमिल में काम करने वाले रामपाल कुहार निवासी राजस्थान के साथ 10 सितंबर को दोपहर 12.14 से 1 बजे के बीच हुई। फरियादी ने बताया कि अज्ञात आरोपी ने यूपीआई आईडी के जरिए 1 लाख 3 हजार 770 रुपए की ठगी कर दी।

4

शराब दुकान के पास बीयर की बोतल व डंडे से युवक पर हमला इंदौर। चंदन नगर क्षेत्र में एक शराब दुकान के पास मामूली ट?कर होने की बात को लेकर आरोपियों ने एक युवक पर सीमेंट ?लॉक, बीयर की खाली बोतल और डंडे से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले के बाद आरोपी भाग गए। पुलिस ने 3 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक हमले की घटना संजय पिता भीसन मंडलोई मूल निवासी कुक्षी जिला धार के साथ गत रात को हुई। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी त्रिलोक, साहिल और वि?की निवासी समाजवाद नगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मैं चंदन नगर स्थित कलाली से शराब लेकर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में आरोपी त्रिलोक से मामूली ट?कर हो गई। इसी को विवाद हुआ और आरोपियों ने गालियां दीं। मैंने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने सीमेंट ?लॉक, बीयर की खाली बोतल और डंडे से हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी बोले कि पुलिस में रिपोर्ट की तो जान से मार देंगे। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

टल्ला लगा तो कर दी हत्या: गणेश प्रतिमा चल समारोह में नाचने के दौरान हुआ विवाद, दो नाबालिगों को चाकू मारे

इंदौर। गणेश प्रतिमा चल समारोह में डीजे पर नाचने के दौरान दो दोस्तों का टल्ला वहां नाच रहे अन्य नाबालिगों में लग गया। उनमें से एक नाबालिग ने जेब में रखा चाकू निकाला और दोनों पर वार कर दिए। एक के सीने में चाकू लगने से उसकी मौत हो गई जबकि दूसरे की आंते बाहर निकल आई। उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने हत्याकांड में तीन को आरोपी बनाया है। चाकूबाजी की घटना को अंजाम देने वाला नाबालिग बाणगंगा थाना क्षेत्र का रहने वाला है और अपने मामा के यहां आजाद नगर गणेश उत्सव में शामिल होने आया था। पुलिस ने एक को हिरासत में लिया है। एसीपी रविंद्र बिरवाल ने बताया कि मृतक का नाम कृष्णा पिता शेरू पंवार (16) निवासी असरावद खुर्द है और उसका साथी साहिल पिता रमेश (17) निवासी असरावद खुर्द घायल है जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। दरअसल कृष्णा पंवार और साहिल दोनों गणेश उत्सव में शामिल होने के लिए सोमवार को आजाद नगर क्षेत्र के रामंदिर स्थित टेम्पो स्टैंड पर पहुंचे थे। दोनों चल समारोह में चल रही डीजे साउंड पर नाच रहे थे। नाचने के दौरान कृष्णा का टल्ला अन्य नाबालिग को लग गया। मामूली विवाद ने देखते ही देखते बड़े विवाद का रूप ले लिया। विवाद कर रहे नाबालिग ने कृष्णा के सीने पर चाकू से वार कर दिया बीच बचाव करने साहिल आया तो उसके पेट में भी चाकू मारा जिससे उसकी आंते निकल गई। चाकूबाजी की घटना को बाणगंगा थाना क्षेत्र के नाबालिग ने अंजाम दिया था। इस दौरान उसके दो अन्य साथी भी उसके साथ वहां मौजूद थे। तुरंत कृष्णा और साहिल को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल ले जाया गया जहां कृष्णा को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया वहीं साहिल का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस का कहना है कि साहिल और कृष्णा का परिवार मजदूरी करता है। घटना के बाद कृष्णा के घर में मातम पसरा है गणेश उत्सव की खुशियां चंद मिनटों में मातम में बदल गई। कृष्णा के शव का पीएम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि एक को हिरासत में पुलिस ने ले लिया है शेष दो आरोपियों की तलाश की जा रही है।

आत्म-नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है विवाह

विवाह आपके अंदर के अपराधी को मार सकता है।
इसके बाद व्यक्ति का आत्म-नियंत्रण बढ़ जाता है।

मोनाश यूनिवर्सिटी के अपराधविज्ञानी वाल्टर फॉरेस्ट और प्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर कार्टर हेय ने एक अध्ययन में पाया कि गांजे का इस्तेमाल करने वाले युवाओं ने विवाह के बाद अविवाहितों की तुलना में इसका इस्तेमाल कम कर दिया।

शोध में लोगों में होने वाले इस बदलाव की प्रमुख वजह भी खोज ली गई है। विवाह से लोगों के आत्म-नियंत्रण में महत्वपूर्ण सुधार होता है। 'क्रिमिनोलॉजी एंड क्रिमिनल जस्टिस' जर्नल के मुताबिक फॉरेस्ट कहते हैं कि अपराध में सक्रिय लोगों में आने वाले बदलावों में आत्म-नियंत्रण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि विवाह के बाद लोग जोखिम लेने से बचना चाहते हैं और अपने आवेगों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करते हैं। यह अध्ययन 1997 के 'नेशनल लांगीट्यूडिनल सर्वे ऑफ यूथ' के विश्लेषण पर आधारित था। इस सर्वेक्षण में अमेरिकी किशोर व वयस्क शामिल थे। ज्यादातर अपराधविज्ञानियों को मानना है कि विवाह से अपराध कम करने में इसलिए मदद मिलती है क्योंकि विवाहित लोग महसूस करते हैं कि अपराध को अंजाम देकर वे बहुत कुछ खो सकते हैं।

मुझे हाउसवाइफ मत कहो

बच्चों की देखभाल और परिवार का ख्याल रखने में महिलाएं हमेशा गर्व महसूस करती हैं। घर का कामकाज करने में भी उन्हें

कोई गुरेज नहीं होता। लेकिन महिलाओं को यह कतई मंजूर नहीं कि उनके घरेलू कामकाज की वजह से उन पर हाउसवाइफ का लेबल चस्पा दिया जाए। कामकाजी महिलाओं को ऑफिस का काम छोड़कर यदि घर की देखभाल करनी पड़े और उस पर हाउसवाइफ का टप्पा लग जाए तो उनका पारा ऊपर चढ़ जाता है। एक अध्ययन से इस बात का खुलासा हुआ है।

महिलाओं को लगता है कि हाउसवाइफ का तमगा उनके काम को महत्वहीन बना देता है। महिलाओं के दिमाग और उनकी सोच पर इस बात का नकारात्मक असर पड़ता है। अध्ययन के अनुसार एक तिहाई महिलाएं इस बात को अपमानजनक मानती हैं। बच्चों की देखभाल और घरेलू जिम्मेदारियों के अलावा महिलाओं को कुकिंग, शॉपिंग, वॉशिंग और साफ-सफाई जैसे काम भी करने पड़ते हैं। इसके बावजूद 50 प्रतिशत महिलाओं को अपने पतियों के ताने झेलने पड़ते हैं कि वे घर पर रहकर कुछ नहीं करती। कई महिलाओं का कहना है कि उन्हें सोसायटी में अक्सर शर्मिंदा होना पड़ता है। इससे उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचने के साथ-साथ उनका आत्मविश्वास भी कम हो जाता है। रिटेल चेन मंदरकेयर ने घरेलू महिलाओं के बारे में जानने के लिए 2000 महिलाओं से बातचीत की। मंदरकेयर से जुड़ी पैरेंटिंग कंसल्टेंट लिज डे का कहना है कि अब समय बदल गया है और महिलाओं को परंपरागत नामों से बुलाने की बजाय दूसरे मॉडर्न नामों से भी बुलाया जा सकता है।

बदल रहे हैं सुंदरता के पैमाने

गोरी लड़कियां हमेशा ही आकर्षण का केंद्र रही हैं और संभवतः गोरेपन को सुंदरता का सबसे बड़ा पैमाना भी माना जाता है, लेकिन वक्त के साथ-साथ शायद अब लड़कियों की सुंदरता के पैमाने बदलते जा रहे हैं।

एक अध्ययन के अनुसार महिलाओं की सुंदरता के महत्वपूर्ण पैमाने उनका जवां लुक, लंबी और पतली छरहरी कमर और उनकी लंबी बांहें हैं। न्यू-साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी, हांगकांग पोलिटेक्निक यूनिवर्सिटी और तियांजिन यूनिवर्सिटी के एक अंतरराष्ट्रीय समूह ने अपनी तरफ से किए गए इस अध्ययन के बारे में कहा है कि यह अब तक का सबसे विस्तृत अध्ययन है, जो शरीर की बनावट से महिलाओं की सुंदरता पर पड़ने वाले प्रभाव पर आधारित है। अध्ययन में शामिल प्रोफेसर रॉब ब्रूक्स कहते हैं कि सुंदरता को लेकर किए गए ज्यादातर अध्ययन धड़, कमर और नितंबों पर ही आधारित हैं। लेकिन हमने अपने अध्ययन में पाया है कि बाजुओं की लंबाई और चौड़ाई भी सुंदरता के मामले में एक बड़ा पैमाना है। यह पूरे शरीर की बनावट और वजन में एक तरह से चार चांद लगाने का काम करता है। इस अध्ययन में यह भी बताया गया है कि बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) और एचडब्ल्यूआर (हिप-टू-वेस्ट रेशियो) किसी भी महिला के आकर्षण के सबसे बड़े पैमानों में से हैं। अध्ययन में पाया गया है कि महिलाओं के खूबसूरत दिखने के लिए कई पैमाने तय किए गए हैं। जिसमें शरीर के कई हिस्सों को लिया गया है। दूसरा, अध्ययन यह भी बताता है कि रंग गोरा होने से ही उसकी खूबसूरती नहीं आंकी जा सकती है। सांवला रंग भी खूबसूरत लगता है। शरीर की बनावट ऐसी होनी चाहिए जो दूसरों को आकर्षित करने के साथ ही सुंदर भी दिखे। अध्ययन में 57 फीसदी सुंदर व सांवली महिलाएं शामिल थीं।

जंक फूड से छुड़ानी है आदत तो इन तरीकों से खिलाएं बच्चों को खाना

बच्चा जब बड़ा होता है तो खाना खाने के लेकर आनाकानी करने लगता है। जिससे मां को बहुत परेशानी होती है क्योंकि यह उसकी ग्रोथ का पीरियड होती है। शरीर को ठीक तरह से पोषण न मिलने के कारण आगे चलकर सेहत से जुड़ी बहुत सी परेशानियां आनी शुरू हो जाती है। शारीरिक कमजोरी का असर बच्चे की पढ़ाई पर भी पड़ना शुरू हो जाता है। इसके अलावा बच्चे ज्यादातर फ्राइड और जंक फूड को खाना पसंद करते हैं। जो सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाते हैं। बच्चों की खाने की आदतों को सही करने के लिए मां को कुछ मेहनत करनी पड़ता है, स्मार्ट ट्रिक अपना कर बढ़ते हुए बच्चों की खाने की आदतों को सुधारा जा सकता है।

पहला स्टेप - सबसे पहले इस बात का ख्याल रखें कि बच्चों को बहुत सारी वैरायटी का खाना एक साथ सर्व न करें। इससे वह तय नहीं कर पाएगा कि क्या खाना चाहिए और क्या नहीं। इससे बच्चा नखरे भी करने लगता है। बच्चे को एक समय पर या तो खाना सर्व करें और या फ्रिप फ्रूट खाने के लिए दें। इस तरह धीरे-धीरे उसकी आदत में सुधार होना शुरू हो जाएगा।

दूसरा स्टेप - बच्चे को खाना तभी खिलाएं जब उसे भूख लगी हो। बिना भूख के उसे खाना खाने के लिए जबरदस्ती न करें। ऐसे करने से वो या तो बहुत ज्यादा खा लेगा या फिर बहुत कम। कई बार तो इस तरीके से बच्चा भूख लगने के संकेत भी नहीं पहचान पाता। जब उसे भूख का अहसास हो तभी खाना सर्व करें। इस तरह वह आसानी से और पेट भर कर भोजन खा सकेगा। इस तरीके से आप उसे पौष्टिक भोजन खिला सकते हैं।

तीसरा स्टेप - बच्चे को खेल-खेल में खाने की चीजों के बारे में बताते रहें। इसके साथ ही उन्हें यह भी बताएं कि इनके क्या-क्या फायदे हैं। हरी सब्जियों को स्नैक्स, जूस, सलाद या फिर सूप बनाकर भी आप बच्चों के खिला सकते हैं।

चौथा स्टेप - यह बात बहुत जरूरी है कि पहले इस बात का ध्यान दें कि आप क्या खा रहे हैं। बच्चा हमेशा आपकी डाइट और आदतों को भी फॉलो करता है। उसके सामने जंक फूड खाने से परहेज करें। पौष्टिक खाने को अच्छे तरीके से सर्व करके भी बच्चे की खाने में दिलचस्पी पैदा होगी।

पांचवा स्टेप - टेबल मैनेर्स से भी बच्चे की आदतें पहचानी जाती हैं। बच्चे को घर पर रखने की बजाय कभी-कभी बाहर भी ले जाएं। इससे खाने का स्वाद भी बदल जाएगा और बच्चे में खाने का सलीका भी आएगा।



ज्वेरेव ने जीता यूएस ओपन

फाइनल में बेन शेल्टन को दी शिकस्त

न्यूयॉर्क । अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब और साल का दूसरा मेजर खिताब जीता। तीन घंटे 33 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद ज्वेरेव ने एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। अब वह सनर से 700 अंक आगे हैं। यह रैंकिंग बताती है कि साल के अंत में एटीपी का नंबर एक खिलाड़ी कौन बनेगा। ज्वेरेव अपना छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल और इस साल का तीसरा फाइनल खेल रहे थे, जबकि शेल्टन अपने करियर में पहले कभी इस स्टेज तक नहीं पहुंचे थे। जर्मनी के स्टार खिलाड़ी ज्वेरेव इस साल शानदार फॉर्म में रहे हैं। मेजर टूर्नामेंट्स में उनका रिकॉर्ड 25 जीत और सिर्फ 2 हार का रहा है। उन्होंने इस साल केवल दो खिताब जीते हैं, लेकिन दोनों ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियां हैं। इसी वजह से वे साल के अंत में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी बनने की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। अपनी जीत के बाद ज्वेरेव ने अपनी मां को खास तौर पर याद किया और बताया कि ग्रैंड स्लैम न जीत पाना उनके सामने आई सबसे बड़ी मुश्किल नहीं थी। ज्वेरेव ने कहा, 'जब आपके 4 साल के बेटे को डायबिटीज का पता चलता है और डॉक्टर आपको बताते हैं कि उस बच्चे की जिंदगी और खेल बहुत सीमित हो जाएंगे, तो उन डॉक्टरों के केबिन से बाहर निकलकर यह कहना कि 'मेरा बेटा जो चाहेगा, वही बनेगा' - इसके लिए एक बहुत ही मजबूत मां की जरूरत होती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर वह टेनिस खिलाड़ी बनना चाहता है, तो वह टेनिस खिलाड़ी बनेगा। अगर वह कुछ और करना चाहता है, तो वह कुछ और करेगा। मगर यह बीमारी हमारी पहचान तय नहीं करेगी। मुझे खुशी है कि हमने इससे मिलकर



मुकाबला किया, और हम अभी जो कुछ भी कर रहे हैं, वह कर पा रहे हैं।'

शेल्टन 23 साल पहले यूएस ओपन में एंडी रॉडिक के बाद मेजर खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, वह नंबर 1 सीड खिलाड़ी को नहीं हरा पाए। यह अमेरिकी खिलाड़ी 1975 में आर्थर एश के बाद इस स्तर पर जीत हासिल करने वाले दूसरे अफ्रीकी-अमेरिकी पुरुष बनने की कोशिश कर रहे थे। अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में हार के बावजूद 23 वर्षीय शेल्टन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराया था। इस शानदार अभियान के दम पर वह एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की सबसे बेहतरीन चौथी रैंकिंग पर पहुंच जाएंगे।



भारत लौटेंगी एशिया कप की दोनों ट्रॉफियां? BCCI की तैयारी से PCB की बड़ी बेचैनी



नई दिल्ली। एशिया कप को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट के साथ-साथ ट्रॉफी की सियासत भी गरमाने लगी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने एशिया कप की दोनों ट्रॉफियों को भारत लाने की तैयारी कर ली है। ऐसे में टूर्नामेंट के दौरान भारत-पाकिस्तान मुकाबले से कहीं ज्यादा नजर इस बात पर भी रहेगी कि चैंपियन बनने के बाद ट्रॉफी किसके हाथ जाती है। एशिया कप में एक मुख्य ट्रॉफी के अलावा विजेता टीम से जुड़ी दूसरी ट्रॉफी को लेकर भी चर्चा

है। BCCI की तैयारियों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट संबंध पहले से ही तनावपूर्ण हैं और एशिया कप के मंच पर ट्रॉफी को लेकर किसी भी तरह का विवाद दोनों बोर्ड के बीच नई तकरार को जन्म दे सकता है।

भारत की टीम टूर्नामेंट में मजबूत दावेदार के तौर पर उतर रही है। ऐसे में BCCI का पूरा फोकस टीम की तैयारी के साथ लॉजिस्टिक और ट्रॉफी से जुड़े इंतजामों पर भी है। दूसरी ओर

द्रविड़-सचिन को मिले हेड कोच और सेलेक्टर्स चुनने का जिम्मा, गावस्कर की BCCI को सलाह

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बीसीसीआई की क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी को लेकर बड़ा सुझाव दिया है। दलीप ट्रॉफी के एक नियम से नाराज गावस्कर ने क्रिकेट प्रशासन और चयन प्रक्रिया में अनुभवी पूर्व खिलाड़ियों की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। गावस्कर का मानना है कि क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी को केवल औपचारिक संस्था की तरह नहीं, बल्कि मजबूत और अनुभवी क्रिकेट दिमागों वाली कमेटी के तौर पर काम करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गजों को ऐसी जिम्मेदारी दी जा सकती है, जिसमें वे भारतीय टीम के हेड कोच और चयनकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाएं। गावस्कर के मुताबिक पूर्व खिलाड़ियों का अनुभव भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद उपयोगी हो सकता है। मैदान पर लंबे समय तक खेलने वाले दिग्गज खिलाड़ियों को ड्रेसिंग रूम की जरूरतों, घरेलू क्रिकेट की चुनौतियों और खिलाड़ियों की मानसिकता की बेहतर समझ होती है। ऐसे में कोच और सेलेक्टर्स चुनने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी व्यवस्था को मजबूत कर सकती है। दलीप ट्रॉफी के एक नियम को लेकर गावस्कर की नाराजगी के बाद उनका यह सुझाव सामने आया है। उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से यह सवाल भी खड़ा किया कि क्या घरेलू क्रिकेट और चयन व्यवस्था से जुड़े फैसलों में पर्याप्त क्रिकेट विशेषज्ञता का इस्तेमाल हो रहा है।



राहुल गांधी की 'छात्रों की गुंज' से पहले सियासी घमासान

इंदौर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले 'छात्रों की गुंज' कार्यक्रम को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने आयोजन में प्रशासनिक अड़चनें डालने का आरोप लगाते हुए सीधे भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा किया है।

कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने इंदौर पहुंचे पूर्व मंत्री और कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य कमलेश्वर पटेल ने मंगलवार को इंदौर प्रेस क्लब में पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा की। इस दौरान उन्होंने भाजपा और उसकी विचारधारा पर तीखा प्रहार किया। पटेल ने कहा कि भाजपा का संविधान में

बढ़ती लोकप्रियता और कार्यक्रम से डर गई है भाजपा - कमलेश्वर पटेल

भरोसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार समेत सभी व्यवस्थाएं चौपट हैं। सत्ता में बने रहने के लिए विपक्ष की आवाज को दबाने का हर हथकंडा अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान से लेकर विपक्ष के साथ होने वाले व्यवहार तक, हर मोर्चे पर भाजपा सवालों के घेरे में है। लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज को सुनने की परंपरा रही है, लेकिन मौजूदा सरकार उसे कुचलना चाहती है। राहुल गांधी के कार्यक्रम का मुद्दा उठाते हुए पटेल ने कहा

कि इंदौर में छात्रों की गुंज कार्यक्रम को लेकर शुरू से ही अड़चनें पैदा की जा रही हैं। पहले प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के लिए उपयुक्त स्थान देने में आनाकानी की गई और जब जगह तय हुई तो अब आयोजकों से मनमाफिक और भारी-भरकम किराया मांगा गया। उन्होंने आगे कहा कि 'यह सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि साफ तौर पर राजनीतिक दबाव है। राहुल जी छात्रों, युवाओं और संविधान की बात करते हैं, इससे भाजपा डर गई है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष और भागवत के

कार्यक्रम पर भी उठाए सवाल- पूर्व मंत्री पटेल ने सियासी संयोग पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के 19 सितंबर के कार्यक्रम से ठीक पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का इंदौर दौरा और उसके बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत का उज्जैन जिले कार्यक्रम होना महज संयोग नहीं है। यह एक सोचा-समझा प्रयोग है। राहुल गांधी के कार्यक्रम के प्रभाव को कम करने की कोशिश है। लेकिन इससे एक बात साफ हो गई है कि राहुल जी की बढ़ती

सक्रियता और छात्रों के बीच उनकी स्वीकार्यता से भाजपा के भीतर गहरी घबराहट है। उन्होंने दो टूक कहा कि कार्यक्रम को रोकने या बाधित करने की जितनी कोशिशें होंगी, जनता के बीच उतना ही यह संदेश मजबूत जाएगा कि सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज से डरा हुआ है। पटेल ने कहा कि कांग्रेस का यह कार्यक्रम पूरी तरह छात्रों के मुद्दों - पेपर लीक, बेरोजगारी, शिक्षा में निजीकरण और संविधान पर हमले को लेकर केंद्रित है और इसे किसी भी कीमत पर सफल बनाया जाएगा।

25 सितंबर से दौड़ेंगी नई बसें, ग्रीन मोबिलिटी पर रहेगा जोर

इंदौर में 9 नए आधुनिक डिपो होंगे विकसित, 2027 तक 1100 ई-बसें उतारने का लक्ष्य

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के अनुसार प्रदेश में 25 सितंबर से 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। इंदौर में भी सेवा के संचालन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। एआईसीटीएसएल की मौजूदा सिटी बस और इंटरसिटी बस सेवाओं का विस्तार करने के साथ परिवहन बेड़े में बड़ी संख्या में नई ई-बसें शामिल की जाएंगी।

दो दिवसीय यात्री परिवहन विजन समित में परिवहन व्यवस्था के विस्तार, ग्रीन मोबिलिटी और आधुनिक यात्री सुविधाओं पर मंथन हुआ। योजना के तहत अगले छह महीनों में 486 नई सीएम ई-बसें और 34 नई इंटरसिटी बसें जोड़े

जाने का लक्ष्य है। वहीं वर्ष 2027 तक प्रदेश में करीब 1100 ई-बसें संचालित करने की योजना है। इससे हर साल करीब 70 हजार टन कार्बन उत्सर्जन कम होने का अनुमान है। साथ ही कार्बन क्रेडिट का लाभ भी मिलेगा।

9 नए डिपो बनेंगे मोबिलिटी हब- इंदौर में वर्तमान में सात बस डिपो संचालित हैं। इनके अलावा अगले छह महीनों में 100-100 बसें की क्षमता वाले 9 आधुनिक डिपो विकसित किए जाएंगे। पुराने डिपो का आधुनिकीकरण कर उन्हें आधुनिक मोबिलिटी हब के रूप में विकसित करने की योजना है। सेवा का संचालन पीपीपी मॉडल के तहत किया जाएगा। परिवहन आयुक्त

मनीष सिंह ने बताया कि नई व्यवस्था में यात्रियों की सुविधा के साथ परिचालन और वित्तीय दक्षता पर भी जोर रहेगा। सुरक्षा, सुगमता और समयबद्ध परिवहन को प्राथमिकता दी जाएगी।

एकीकृत टिकटिंग से आसान होगा सफर- नई परिवहन व्यवस्था में इंटीग्रेटेड टिकटिंग और ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम लागू किया जाएगा। यात्रियों को एक ही प्लेटफॉर्म पर बस रूट, उपलब्ध सेवाओं और किराए की जानकारी मिल सकेगी। विभिन्न डिजिटल भुगतान विकल्पों के साथ ग्रामीण और अंतरशहरी क्षेत्रों के लिए नकद एवं ऑफलाइन टिकटिंग की सुविधा भी रहेगी, ताकि नेटवर्क उपलब्ध

नहीं होने पर भी यात्री सेवा प्रभावित न हो। इंदौर सहित प्रदेश में पारदर्शी और रियल टाइम बस संचालन के लिए इंटीलिजेंट ट्रान्सपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) विकसित किया जा रहा है। बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था को अधिक समावेशी बनाने पर भी जोर दिया गया है। वर्तमान में इंदौर में 96 सीएम ई-बसें और 110 इंटरसिटी बसें संचालित हो रही हैं। नई बसें के शामिल होने के बाद सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क का दायरा बढ़ेगा और यात्रियों को अधिक सुविधाजनक एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन विकल्प उपलब्ध होंगे।

स्वामित्व योजना के काम से पटवारियों को मुक्त करने की मांग

● पटवारी संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, रजिस्ट्री, फार्मर आईडी और जियो टैग गिरदावरी से भी राहत की मांग



इंदौर। स्वामित्व योजना के कार्यों से पटवारियों को अलग रखने की मांग को लेकर सोमवार को मध्य प्रदेश पटवारी संघ की इंदौर और भोपाल इकाई के पदाधिकारियों ने कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन किया। इसके बाद कलेक्टर शिवम वर्मा को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न मांगों के निराकरण की मांग की गई।

संघ ने ज्ञापन में कहा कि शासन द्वारा 7 जुलाई 2025 को स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना लागू की गई है। संघ योजना का समर्थन करता है, क्योंकि इससे ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के आधार पर ऋण सहित अन्य सुविधाएं प्राप्त करने में मदद मिलेगी। हालांकि, आबादी भूमि का स्वरूप कृषि भूमि से अलग है और इसका सर्वे पंचायत विभाग द्वारा किया गया है। ऐसे में निष्पादन, ई-केवाईसी और रजिस्ट्री जैसे व्यक्तिगत जिम्मेदारी वाले कार्यों से पटवारियों को अलग रखा जाना चाहिए।

जिला अध्यक्ष मनोज परिहार और प्रांतीय सचिव धर्मेन्द्र चौबे ने बताया कि संघ की तीन प्रमुख मांगें हैं-स्वामित्व योजना की रजिस्ट्री, फार्मर आईडी और जियो टैग गिरदावरी के कार्य से पटवारियों को मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना के तहत आबादी क्षेत्रों में लंबे समय से रह रहे लोगों को अधिकार पत्र दिए जा चुके हैं। अब ऑनलाइन प्रक्रिया में आ रही तकनीकी दिक्कतों के कारण काम प्रभावित हो रहा है। इसलिए यह जिम्मेदारी पंचायत अथवा अन्य संबंधित विभाग को दी जानी चाहिए। संघ के अनुसार इंदौर के करीब 370 पटवारी इस कार्य से अलग हैं और इसी मांग को लेकर प्रदेशभर में आंदोलन चल रहा है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि पटवारी संघ का ज्ञापन प्राप्त हुआ है। उनकी मांगों को शासन तक भेजा जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वसूली में इंदौर ने सबको पीछे छोड़ा, लक्ष्य की दौड़ में दूसरे नंबर

प्रदेश के 16 नगर निगमों की कुल वसूली 155.73 करोड़, अकेले इंदौर ने जुटाए 95.59 करोड़

इंदौर। बकाया टैक्स वसूलने के लिए आयोजित लोक अदालत में इंदौर नगर निगम ने प्रदेशभर के नगरीय निकायों को वसूली के मामले में पीछे छोड़ दिया। प्रदेश के 16 नगर निगमों ने मिलकर जहां 155.73 करोड़ की वसूली की, वहीं अकेले इंदौर नगर निगम ने 95.59 करोड़ जमा कराए। यानी 16 नगर निगमों की कुल वसूली में इंदौर की हिस्सेदारी करीब 61 प्रतिशत रही। बावजूद इसके निर्धारित लक्ष्य की तुलना में प्रदर्शन के मामले में इंदौर दूसरे स्थान पर रहा। लोक अदालत में बकाया राशि

जमा करने पर नागरिकों को जुर्माने और ब्याज में निर्धारित छूट दी गई थी। राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी नगर निगमों को वसूली का लक्ष्य भी दिया था। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों ने मिलकर कुल 192.57 करोड़ की वसूली की। इंदौर की कुल 95.59 करोड़ की वसूली में 87.58 करोड़ संपत्ति कर और 8.01 करोड़ जल कर शामिल है। नगर निगमों में भोपाल दूसरे बड़े संग्रह के रूप में सामने आया, जहां संपत्ति कर से 12.07 करोड़ और जल कर से 4.04 करोड़ की वसूली हुई।

● लक्ष्य पूरा करने में रतलाम आगे- सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले वसूली में रतलाम नगर निगम पहले स्थान पर रहा, जबकि इंदौर दूसरे स्थान पर रहा। खास बात यह है कि कुल राशि जुटाने में इंदौर सबसे आगे रहा, लेकिन लक्ष्य के अनुपात में प्रदर्शन में रतलाम ने बाजी मारी।

● राऊ नगर पंचायत सबसे आगे- नगर पंचायतों में इंदौर जिले की राऊ नगर पंचायत ने प्रदेश में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। राऊ ने संपत्ति कर से 57.27 लाख और जल कर से 12.35 लाख की वसूली की। कुल वसूली करीब 69.62 लाख रही। वहीं इंदौर जिले की बेटमा नगर पंचायत कुल 17.68 लाख की वसूली के साथ प्रदेश में चौथे स्थान पर रही। इसमें 14.67 लाख संपत्ति कर और करीब 3 लाख जल कर शामिल है। यानी लोक अदालत में इंदौर ने प्रदेश की तुलना में सबसे ज्यादा टैक्स वसूला, लेकिन लक्ष्य की कसौटी पर रतलाम से पीछे रह गया।